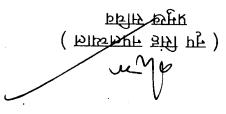
द्धराद्भ : द्रिमाक : ३६ अगस्त 2005 | 12005 | (ii) XXX / 子。 りん | 12005 | **८—ागम्हार किमाक** उत्तराचल शासन,

माइ फ्रांगिक

-: क्रार क्रिंश प्रणिनी अधिया प्राप्त मारा है सम्बन्ध के नार फिली मारा हाथा निम्निलित त्रनामा क्या आशास के नियम प्रमास समा संसाधित कामानितिकार कामानितिकार अधिहस्ताक्षरी का यह कहने का निदेश हुआ है कि लेकसेवा आयोग द्वारा

- । एकि । एकी न निक्रीए ड्रेकि में फिन्कीरी कागए एक न्नाप्रध के नार कि नहाधिशिष्ट । फ्रांफ किं महाप्रशिक्ष कि गरिया आयोग के नेपर के नेपर । मिणा वर्ष विशेष में घटित होने वाली रिक्तियों के सही गणना (ι)
- । छार एकी तर्ना में तकाल आया कि नाम क्रिंग के नाम कि नाम कि प्रिवास में प्राच्या में प्राचित कि नाम अथवा कि कि नाम कि जिम्म दि कि इप कि किसी न्यायालय द्वारा कोई अन्यथा आदेश दिये गये हो। सम्बन्धित किथा हो एक कि एक कि कि महास्त्र कि एक कि कि महास् क किमाम म्ह 1713-19-Hy 1310 भिवाय प्राप्त मिरिक प्रमुद्दार प्राम्धाक ईन्छ ज्ञाप्रमध् के निव्न त्यार एकित्रिमं कि विश्वास्त तिनीयव (2)
- विचार किया जा सकता है। प्रम निइंब प्रीध कि डाम कप्र में यितीष्प्रीप्रीम ये।इप्रीमध मिली गिर्धाण गिर्धाण FIFK फ्रम्म कर नामकधीर हुई निश्क एउस प्राम्धेक क्रम्मधर नियुक्ति आदेश जारी किया जाना सुनिश्चित किया जाय तथा अभ्यथी को प्रज्ञाम कप्र कं निव लाए नडांगर । अन्तर कं अन्तर के अन्तर
- करते हुए,घटित शिवतयों को आगामी चयन वर्ष हेतु अग्रेनीत कर दिया ाम्प्रमा के प्रिविधियार काठ में मिहार में शिक्ष के प्रिविधिया के अभ्याप में शिक्ष किर्वाधिया के अभ्याप में शिक्ष किर्वाधिया के प्रिविधिया के प्रिविधिय के प्रिति के प्रिविधिय के प्रिति के प्रिविधिय के प्रिविधिय के प्रिविधिय के प्रिति के प्रिविधिय
- क्यन सूची का उपयोग उसी बयन वर्ष की शिक्तियों के विरुद्ध किया जाय, (2) जाय
- । भिष्टार कि डिाइपेक कि एशियाड्री क प्रकार फिकी दि न प्रीध गार्फाए एकी डिम णीमनी कि क्रिप्र गिरी में एकल संवर्ग के पदों का छोड़कर समस्त सामिलित सेवाओं एवं अन्य चयनों (9)
- विषि मफ्की कार्रिक ना अल्का स्तर पर पर कहाई से अनुपालन सुनिश्चित किया

--2



सख्या :- १६० ७ / x xx १४ 2005, तदिनांक।

। तिर्शित हुई डिाव्येक कथ्ण्यार वं अन्यम्भ कि तिर्धालान्न गिर्शिति

- 1. अपर मुख्य सिवेव, उत्तरांचल शासन।
- 2. समस्त प्रमुख सबिव एवं सबिव, उत्तरांचल शासन।
- । प्राञ्चित, लोक भेवा आयोग, उत्तरांचल, हिरहाए।
- । लग्गाध्यक्ष एवं प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तरांचल भ
- ?' मत्ववातीवय कीमार्जू तेव गववाव। संस्थान समार्था देन भटेल समार्था देन
- 6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
- । गिमिन्स अनुभाग।

आज्ञा से,

(अए०सी०लोहन)) संयुक्त सचिव